विशेष अनुभवों के गोल्डन चान्स की लाटरी

अमृतवेले से बाप-दादा ने विशेष अनुभवों के गोल्डन चान्स की लाटरी खोली है। ऐसी लाटरी लेने के अधिकार को अनुभव करना है।

1 आज का दिन विशेष रूप में स्मृति-स्वरूप बनने का है।

2 बाप-दादा के स्नेह में समाए हुए अर्थात् बाप समान बनने वाले स्नेह की निशानी है - समानता।

3 बाप-दादा के स्नेह का रेसपान्स 'बाप समान भव' का वरदान अनुभव करना है।

4 आज का विशेष दिवस स्वत: और सहज और थोड़े समय में बाप समान स्थिति अनुभव करने का दिन है।

5 स्नेह-युक्त रह व योग-युक्त, सर्वशक्तयों के प्रति युक्त, सर्व प्रकार के प्रकृति व माया के आकर्षण से परे रहना है।

18.01.77

अव्यक्त पालना का रिटर्न

प्रश्न हमारे, उत्तर बापदादा के

प्रश्न : मीठे बाबा, ताजधारी अर्थात् बाप के ताज में चमकते हुए रत्नों की निशानी क्या है ?

उत्तर : मीठे बच्चे,

① ताजधारी अर्थात् बाप के ताज में चमकते हुए रत्न, जिन की विशेष पूजा होती है उनकी निशानी है 'सदा बाप में समाए हुए और समान'।

② उन के हर बोल और कर्म से सदा और स्वत: बाप प्रत्यक्ष होगा।

③ उनकी सीरत और सूरत को देख हर एक के मुख से यही बोल निकलेंगे कि कमाल है, जो बाप ने ऐसे योग्य बनाया।

④ उनके गुण देखते हुए निरन्तर बाप-दादा के गुण सब गायेंगे।

⑤ उन की दृष्टि सभी की वृत्ति को परिवर्तन करेंगी। ऐसी स्थिति वाले सिर के ताज गाए जाते हैं।

18.01.77

मन की बात...
बाप-दादा के साथ

मैं आत्मा :-

मीठे बाबा, कोई पूछते हैं कि विनाश क्यों नहीं हुआ, तो उनसे क्या कहना है?

बाप-दादा :- प्यारे बच्चे,

☀ उसको कहो कि आप के कारण नहीं हुआ। बाप के साथ हम सभी भी विश्व-कल्याणकारी हैं। विश्व के कल्याण में आप जैसी और आत्माओं का कल्याण रहा हुआ है। इसलिए अभी भी चान्स है।

☀ फलक से कहो कि कल्याणकारी बाबा के इस बोल में भी कल्याण समाया हुआ है। उसको हम जानते हैं, आप भी आगे चलकर जानेंगे।

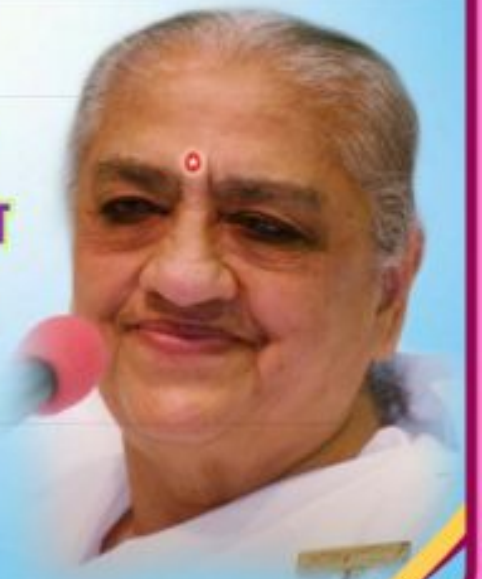

18.01.77

18 - 4 - 77
अव्यक्त वाणी का
मुख्य बिंदु
ऐसे शिक्षक के हर बोल
महावाक्य कहे जाते हैं वाक्य नहीं
हर → कदम → बोल → अनेक → आत्माओं → को → शिक्षा → देने → वाले → योग्य टीचर
हर → कर्म (कर्म) → रूपी → बीज → फलदायक → होगा → निष्फल → नहीं
ऐसे कहते

18-01-77 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं बापदादा के सिर का ताज हूँ।

सिर का ताज अर्थात् सदा बाप में समाए हुए और समान। हर बोल और कर्म से सदा और स्वत: बाप को प्रत्यक्ष करने वाली। दृष्टि से सभी की वृत्ति को परिवर्तन करने वाली।

18-01-77

18 जनवरी का विशेष महत्व

विशेष दिन का विशेष महत्व जान, महान रूप से मनाया ? अमृतवेले से बाप-दादा ने विशेष अनुभवों के गोल्डन चान्स की लाटरी खोली है। (1) आज का दिन विशेष रूप मे स्मृति-स्वरूप बनने का है। (2) बाप-दादा के स्नेह में समाए हुए अर्थात् बाप समान बनने वाले स्नेह की निशानी है - समानता। (3) बाप-दादा के स्नेह का रेसपान्स 'बाप समान भव' का वरदान अनुभव करना है। (4) ताजधारी अर्थात् बाप के ताज में चमकते हुए रत्न, जिन की विशेष पूजा होती है उनकी निशानी है 'सदा बाप मे समाए हुए और समान'।